News सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-251

पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

अपनी नजर सिर्फ उसी चीज़ पर रखो जिसे तुम पाना चाहते हो, उस पर नहीं जिसे तुम खो चुके हो!

बिहार सिटी चीफ

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

बिहार, सोमवार, 16 दिसम्बर 2024

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

फिर सुबह प्रेमी से मंदिर में जाकर कर ली शादी

अहमदाबाद से बिहार के जमुई आई और पूरी रात स्टेशन पर अकेली रही लड़की

जमुई. गुजरात के अहमदाबाद से एक लड़की ने ट्रेन पकड़ी और वह बिहार के जमुई पहुंच गई. जमुई पहुंचने के बाद लड़की ने रेलवे स्टेशन पर पूरी रात बिताई. सुबह होते ही वह लड़की स्टेशन से थोड़ी दूर एक युवक के घर पर जा पहुंची. उसके बाद उसने जो किया यह बात पूरे इलाके में आग की तरह फैल गई. मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा है, जहां अपने प्रेमी को ढूंढते-ढूंढते एक प्रेमिका गुजरात के अहमदाबाद से बिहार के जमुई पहुंच गई. इस दौरान युवती ने स्टेशन पर ही पूरी रात बिताई. युवती मध्य प्रदेश की रहने वाली है और उसे जमुई के एक युवक से प्यार हो गया था, जिसके बाद उसने तमाम परेशानी उठाते हुए भी अपनी प्रेमी से मिलने की ठानी और जमुई पहुंच गई.

धागा मिल में ही जुड़ गया था प्रेम का धागा

मध्य प्रदेश की रहने वाली युवती रितु ने बताया कि करीब 3 साल पहले जमुई जिला के मलयपुर के रहने वाले सेठ विश्वकर्मा का पुत्र शिवम कुमार धागा फैक्ट्री में काम करने के लिए गुजरात के अहमदाबाद गया था. रितु भी वही काम करती थी, इस दौरान दोनों एक दूसरे से मिले. धीरे-धीरे दोनों की नजदीकियां बढ़ी और धागा फैक्ट्री में काम करते-करते ही दोनों के प्रेम का धागा भी एक दूसरे से बंध गया. दोनों एक दूसरे के साथ जीने-मरने के सपने देख रहे थे. लेकिन इसी बीच छठ पूजा के दौरान शिवम वापस अपने घर चला आया.

अपने प्रेमी की तलाश में जमुई पहुंची युवती

रितु ने बताया कि छठ पूजा में शिवम घर आया था. इस दौरान उसने कहा था कि वह थोड़े दिनों में वापस काम पर लौट जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ. काफी लंबा समय बीत जाने के बाद शिवम वापस नहीं आया. इस दौरान रितु ने शिवम से फोन पर बात करने का भी प्रयास किया, पर उसका मोबाइल नहीं लग रहा था. जिसके बाद उसने अहमदाबाद से ट्रेन पकड़ी और सीधे जमुई पहुंच गई. जहां पूरी रात वह स्टेशन पर ही इंतजार करती रही. सुबह होते ही वह अपने प्रेमी को ढूंढते हुए मलयपुर बस्ती आई, जहां वह सीधे अपने प्रेमी के घर पहुंच गई तथा उसके माता-पिता को सारी बात बताई. इस दौरान ग्रामीणों की भीड़ वहां इकट्ठा हो गई. प्रेमी प्रेमिका की बात सुनकर ग्रामीणों ने दोनों की मर्जी से पतनेश्वर मंदिर में ले जाकर उनकी शादी करवा दी. प्रेमी की तलाश में करीब दो हजार किलोमीटर का सफर तय कर जमुई पहुंची रितु की कहानी इलाके में चर्चा का विषय बनी हुई है.

बीपीएससी परीक्षा केंद्र पर बवाल करने वालों के खिलाफ दर्ज होगा हत्या का मुकदमा

जानें क्या है पूरा मामला

पटना. पटना जिला प्रशासन ने बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) परीक्षा को बाधित करने की कोशिश करने वाले लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज करने की सिफारिश की है। पटना में बीपीएससी परीक्षा के दौरान ड्यूटी पर तैनात एक अधिकारी की दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गयी थी, जिसके संबंध में मुकदमा दर्ज करने की सिफारिश की गयी है। पटना के जिलाधिकारी ने बीपीएससी को सौंपी रिपोर्ट में यह सिफारिश की, जिसकी प्रतियां मीडिया को उपलब्ध कराई गयी हैं।

पटना के कुम्हरार इलाके में स्थित बापू परीक्षा परिसर में यह घटना 13 दिसंबर को हुई। बापू परीक्षा परिसर उन 900 से अधिक केंद्रों में से एक था, जहां यह प्रतियोगी परीक्षा आयोजित की गयी। इस प्रतियोगी परीक्षा में लगभग पांच लाख अभ्यर्थियों ने भाग लिया था। उपजिलाधिकारी रैंक के एक अधिकारी द्वारा सौंपी गई जांच रिपोर्ट में 'परीक्षार्थियों के रूप में असामाजिक तत्वों द्वारा परीक्षा रद्द करवाने के उद्देश्य से व्यवधान पैदा करने की कोशिश किये जाने' की बात कही गई है।

संदेह के घेरे में कोचिंग संस्थान

रिपोर्ट में इस पूरे प्रकरण में 'कई कोचिंग संस्थानों की भूमिका की जांच' की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया है। परीक्षा वाले दिन बापू परीक्षा परिसर में 5,000 से अधिक अभ्यर्थी उपस्थित थे तथा परीक्षा हॉल से बाहर निकलकर उन्होंने आरोप लगाया कि प्रश्नपत्र लीक हो गया है। परीक्षा केंद्र के बाहर भी भारी भीड़ जमा हो गई थी तथा पुलिस के हस्तक्षेप से स्थिति को नियंत्रित किया गया। पटना के जिलाधिकारी चंद्रशेखर सिंह भी मौके पर पहुंचे और घटना से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसमें वह (जिलाधिकारी) एक उपद्रवी को थप्पड़ मारते नजर आ रहे थे। हंगामे के दौरान राम इकबाल सिंह को दिल का दौरा पड़ा और जिला प्रशासन की रिपोर्ट में उनकी मौत का कारण परीक्षा केंद्र से सटी सड़क पर यातायात जाम को बताया गया। रिपोर्ट के मुताबिक, सड़क जाम होने के कारण अधिकारी को समय पर अस्पताल नहीं ले जाया जा सका।

रिपोर्ट में क्या

रिपोर्ट में बताया गया, अभ्यर्थियों और अन्य असामाजिक तत्वों (जो विरोध प्रदर्शन में शामिल हैं) के खिलाफ कड़ी अनुशासनात्मक और कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए और उन पर हत्या का मुकदमा दर्ज करने की सिफारिश की जाती है। चंद्रशेखर सिंह ने प्राथमिकी दर्ज होने के बाद रविवार को बताया, जिला प्रशासन बापू परीक्षा परिसर परीक्षा केंद्र के सीसीटीवी फुटेज को खंगाल रहा है। केंद्र पर हंगामा करने वाले 10 से 12 असामाजिक तत्वों की पहचान करने के लिए पटना के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक की निगरानी में दो टीमें गठित की गई हैं। सिंह ने बताया कि असामाजिक तत्वों ने अन्य परीक्षा हॉल के परीक्षार्थियों से प्रश्नपत्र भी छीने, परिसर के अंदर विरोध प्रदर्शन करते हुए बाहरी लोगों को प्रश्नपत्र मुहैया कराए और केंद्र के परीक्षा अधीक्षक को बंधक भी बनाया।

जेल जाएंगे असामाजिक तत्व

अधिकारी ने बताया कि अगर वे (असामाजिक तत्व) परीक्षार्थी निकले तो जिला प्रशासन आयोग से अनुरोध करेगा कि उन्हें बीपीएससी परीक्षा में बैठने से रोक दिया जाए और उन्हें जेल भेजा जाएगा। उन्होंने बताया कि इस मामले में जिला पुलिस ने अब तक दो प्राथमिकी दर्ज की हैं। अधिकारी ने स्पष्ट किया कि कुल 5,671 अभ्यर्थियों ने बिना किसी परेशानी के उसी केंद्र पर अपनी परीक्षाएं पूरी कीं। उन्होंने बताया कि ऐसा प्रतीत होता है कि प्रश्नपत्र पुस्तिकाओं के देर से वितरण के बहाने कुछ अभ्यर्थियों ने परीक्षा को बाधित करने के इरादे से परीक्षा का बहिष्कार किया और परीक्षा को रद्द करवाने की साजिश के तहत सुनियोजित तरीके से अफवाह फैलाई। सिंह ने बताया कि अभ्यर्थियों को परीक्षा समाप्त होने से पहले पुस्तिकाएं, प्रश्नपत्र और ओएमआर शीट आदि परीक्षा केंद्र से बाहर नहीं ले जानी चाहिए थी। उन्होंने बताया कि इस संबंध में कुछ कोचिंग संस्थानों की भूमिका की भी जांच की जानी चाहिए।

सड़क हादसे में चाचा-भतीजे की मौत

थावे दुर्गा मंदिर से लौट रहे थे दोनों तेज रफ्तार वाहन ने कुचला

गोपालगंज. गोपालगंज में सड़क हादसे में दो पुजारी (चाचा-भतीजा) की मौत हो गई। वहीं एक चालक की हालत गंभीर है। घटना फुलवरिया थाने के मंजिरवां कला टोला फक्कड़पुर गांव के समीप मीरगंज-भोरे मुख्य सड़क पर हुई। हादसे के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों सदर अस्पताल गोपालगंज में भर्ती कराया। इलाज के दौरान दो पुजारियों की मौत हो गई। वहीं बोलेरो चालक का इलाज चल रहा है। मृतकों की पहचान गोपालगंज जिले के भोरे थाने के पंडौली गांव के रामसागर पांडेय व उनका भतीजा संदीप कुमार पांडेय के रूप में की गई है। दोनों मृतक थावे दुर्गा मंदिर में पुजारी का काम करते थे।

पीछे से तेज रफ्तार वाहन ने दोनों को कुचल दिया

बताया जाता है कि गोपालगंज जिले के भोरे थाना क्षेत्र के पड़ौली गांव निवासी रामसागर पांडेय व उनका भतीजा संदीप पांडेय थावे दुर्गा मंदिर में पुजारी के रूप में कार्यरत थे।

प्रतिदिन की भांति रविवार को भी थावे मंदिर से पूजा अर्चना कर देर शाम घर लौट रहे थे। दोनों फुलवरिया थाना क्षेत्र के मजिरवा कला गांव के पास ही पहुंचे थे कि पीछे से तेज रफ्तार वाहन ने उन्हें कुचल दिया। गंभीर हालत में उन्हें इलाज के लिए सदर अस्पताल गोपालगंज में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के दौरान दोनों चाचा-भतीजे की मौत हो गई।

अनियंत्रित बोलेरो को जब्त कर लिया गया

मौत की सूचना परिजनों को मिलते ही घर में कोहराम मच गया। एक ही परिवार से दो लोगों की दर्दनाक मौत से गांव में शोक का माहौल है। परिजनों के चीत्कार से गांव में शोक कायम है। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके से अनियंत्रित बोलेरो को जब्त कर लिया है। थानाध्यक्ष कैप्टन शाहनवाज ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

हाल ही में पार्टी में हुए थे शामिल

विधानसभा चुनाव से पहले VIP ने संजीव मिश्रा को सौंपी बड़ी जिम्मेवारी

पटना. हाल ही में अपनी सियासी पारी शुरू करने वाले बिहार के बड़े कारोबारी और समाजसेवी संजीव मिश्रा को विकासशील इंसान पार्टी यानी VIP ने बड़ी जिम्मेवारी सौंपी है। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी सुप्रीमो मुकेश सहनी ने संजीव मिश्रा को पार्टी का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष की बड़ी जिम्मेवारी सौंपी है।

दरअसल, बिहार में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर वीआईपी ने भी अपनी तैयारियां शुरू कर दी है।

वीआईपी ने हाल ही में पार्टी में शामिल हुए पूर्णिया के बड़े समाजसेवी संजीव मिश्रा को पार्टी का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बना दिया है, जिसका सीधा असर आने वाले विधानसभा चुनाव में देखने को मिलेगा। संजीव मिश्रा के साथ साथ वीआईपी ने दो और पार्टी नेताओं को अहम जिम्मेवारी सौंपी है। वीआईपी ने शिवहर के रहने वाले प्रो.लक्ष्मण कुमार सहनी को भी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया है। इसके साथ ही हाल ही में पार्टी में शामिल हुए सीवान के युवा नेता नीतीश कुमार द्विवेदी को पार्टी का राष्ट्रीय सचिव बना दिया है। पार्टी सुप्रीमो मुकेश सहनी के निर्देश पर राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष सहनी ने तीनों नेताओं को बड़ी जिम्मेवारी सौंपी है।

4,06,00,000 रुपए का फ्रॉड करके फरार थी

अरेस्ट होने के बाद उसी ने ट्रेन में दिया था चकमा

गोपालगंज. महाराष्ट्र के पुणे में 4 करोड़ रुपए की साइबर ठगी करने वाली फ्रॉड सानिया उर्फ गुड़िया उर्फ सोफिया सिद्दीकी को एक बार फिर महाराष्ट्र पुलिस ने रविवार को गोपालगंज से गिरफ्तार कर लिया है. थावे थाने की पुलिस के सहयोग से लोहरपट्टी गांव से महिला साइबर फ्रॉड को गिरफ्तार किया गया है. पिछली बार 21 फरवरी 2024 को भी उसकी गिरफ्तारी हरियाणा के फरीदाबाद स्थित उसके घर से हुई थी, लेकिन पुणे जाने के दौरान दुरंतो एक्सप्रेस से पुलिस को चकमा देकर ट्रेन से कूदकर फरार हो गयी थी.

सानिया उर्फ गुड़िया उर्फ सोफिया के खिलाफ चार करोड़ छह लाख रुपये की साइबर धोखाधड़ी के मामले में पुणे में एफआइआर दर्ज की गयी थी. न्याति इंजीनियर्स एंड कंसल्टेंट्स कंपनी से फ्रॉड कर बैंक अकाउंट से चार करोड़ छह लाख रुपये लेकर फरार हो गयी थी. पुणे के साइबर थाने में कंपनी के जीएम सागर जयंतीलाल बोरा ने एफआइआर दर्ज कराया था. वहीं, इस मामले में महाराष्ट्र पुलिस छानबीन करते हुए फरवरी में उसे हरियाणा के मुरादाबाद से गिरफ्तार किया था.

ट्रेन में हथकड़ी सरकाकर फरार हो गई थी, अफसर समेत 6 पुलिस वाले हुए थे सस्पेंड बताया गया है कि पुलिस कस्टडी में ट्रेन से फरार होने के बाद उसने लोहरपट्टी में आकर शरण ली थी. महाराष्ट्र पुलिस का कहना है कि साइबर फ्रॉड शातिर है. ट्रेन में हथकड़ी सरकाकर फरार होकर एक महिला कांस्टेबल और चार पुरुष कांस्टेबल समेत एक ऑफिसर को निलंबित करा दिया था. पुलिस के मुताबिक आरोपी महिला सानिया उर्फ गुड्डी उर्फ सोफिया सिद्दीकी शातिर साइबर फ्रॉड है. गिरफ्तारी के बाद कड़ी सुरक्षा के बीच उसे महाराष्ट्र लेकर पुलिस जा रही है.

सानिया गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में है पुलिस

वहीं, पुलिस का कहना है कि सानिया उर्फ गुड़िया उर्फ सोफिया सिद्धकी ने सीवान के नुरुहाता में शादी की थी, लेकिन पति से तलाक लेकर साइबर फ्रॉड में फिर सक्रिय हो गयी. हरियाणा तो कभी गोपालगंज के लोहरपट्टी में आकर रहने लगी थी. महाराष्ट्र और गोपालगंज पुलिस, सानिया उर्फ गुड़िया उर्फ सोफिया के गिरोह में शामिल अन्य साइबर फ्रॉड की तलाश में जुट गयी है और इनकी पहचान करने के साथ ही गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी कर रही है.